



गतिविधि 12. नीचे एक पहेली दी गई है जिसमें बाएँ से दाएँ कुछ सब्जियों के नाम लिखे हुए हैं उन सब्जियों के नाम ढूँढकर आगे खाली जगह में लिखवाएँ। लिखने हेतु अभिभावक बच्चों को प्रोत्साहित भी करें।

| | | | |
|----|----|----|----|
| लौ | की | क | दू |
| आ | लू | तो | री |
| लू | री | मे | थी |
| क | रे | ला | ला |
| पा | ल | क | द |

1. लौकी,
- 2.....
- 3.....
- 4.....
- 5.....
- 6.....



गतिविधि 13. अभिभावक बच्चों को निम्नलिखित शब्दों को पढ़कर सुनाएंगे और शब्दों का मिलान उससे सम्बन्धित चित्र से करने को कहेंगे।

चाँद



सूरज



रॉकेट



पेड़



जानवर



पहाड़



वर्कशीट निर्माणकर्ता —

1- रेखा नेगी

2- संगीता फराशी

ब्लॉक — खिर्शु, कोट पौड़ी गढ़वाल

तकनीकी सहयोग

—रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट



कक्षा- 1, वर्क शीट-21 (साप्ताहिक)

पाठ- 21 (हलीम चला चाँद पर)

| | |
|---------------------|-------------------|
| बच्चे का नाम..... | स्कूल..... |
| अभिभावक का नाम..... | मोबाइल नम्बर..... |

अभिभावकों के लिए — हम आशा करते हैं कि आप या घर का कोई भी सदस्य इस वर्क शीट के कार्य को पूरा करने में बच्चे की मदद करेंगे।



गतिविधि 1. अभिभावक बच्चों को चित्र दिखाते हुए बच्चों से पूछें कि चित्र में क्या दिखाई दे रहा है।

चाँद तारे रात को ही क्यों दिखाई देते हैं?

चित्र में दिख रहा लड़का उड़कर कहाँ जा रहा

होगा? हम एक जगह से दूसरी जगह जाने

के लिए किन-किन वाहनों का उपयोग करते हैं?

अगर आप को चाँद पर जाना है तो आप कैसे

जाओगे? चाँद पर पहुँचकर आप क्या-क्या

करोगे?



गतिविधि 2. अभिभावक बच्चों से सही क्रम से अं तथा (ँ) लिखवाएँ।

अं अँ अं

ँ ँ ै



गतिविधि 3. अभिभावक बच्चों को नीचे दिये गए वर्णों को लिखवाएँ और पहचान कराएँ

छ ख

अं औ

गतिविधि 4. वर्णों को मिलाकर शब्द बनायें, खाली बाक्स में लिखें, और पढ़ें। अभिभावक बच्चों की मदद करें।



गतिविधि 5. अभिभावक बच्चों को कविता हावभाव के साथ पढ़कर सुनायें और उन्हें भी दोहराने के लिए प्रेरित करें।

सारी रात चमकता चाँद,
हँसते हुए दमकता चाँद।
है तारों का नेता चाँद,
और सूरज का भाई चाँद।
सब बच्चों का मामा चाँद,
सारी रात चमकता चाँद।



गतिविधि 6. अभिभावक बच्चों को नीचे दी गई कहानी को धाराप्रवाह के साथ पढ़कर सुनायें तथा बच्चों को भी अपने साथ कहानी का दोहराव करने के लिए प्रोत्साहित करें।

हलीम चला चाँद पर

हलीम ने एक दिन सोचा, आज मैं चाँद पर जाऊँगा। वह राकेट के कारखाने में गया और एक राकेट पर बैठकर चल दिया। चलते-चलते अंधेरा हो गया। हलीम को डर लगने लगा। उसको तो चाँद तक का रास्ता पता नहीं था। थोड़ी देर में उसने चाँद देखा और वह खुश हो गया। चाँद पर हलीम को खूब सारे गड्ढे दिखे और बड़े-बड़े पहाड़ भी। लेकिन वहाँ कोई पेड़ या जानवर नहीं थे। लोग भी नहीं। हलीम ने सोचा ये भी कोई जगह है। चलो वापिस घर चलें। वह राकेट में बैठकर घर लौट आया।



गतिविधि 7. (कहानी से प्रश्न) —अभिभावक बच्चों से नीचे दिये गए प्रश्न मौखिक रूप से पूछें व जवाब देने के लिए और लिखने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।

- प्रश्न—1 — हलीम ने कहाँ जाने के बारे में सोचा?.....
प्रश्न—2 — हलीम को किससे डर लगता था ?.....
प्रश्न—3 — हलीम को रास्ते में क्या क्या दिखा ?

गतिविधि 8. अभिभावक नीचे दिये गये वाक्यों को पढ़कर बच्चों को सुनायें और प्रश्नों को पूछें और उत्तर लिखने को कहें। तथा बच्चों को भी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी करें।

कल नंदिनी मंगल संग मेले में गई। मेले में रंग बिरंगी पतंगें थीं। मंगल ने हरी और नंदिनी ने लाल रंग की पतंग ली। नंदिनी को कंगन पसंद आये। उसके पास पैसे नहीं थे। मंगल ने नंदिनी को कंगन लेकर दिए।

- प्रश्न—१ मेले में कौन कौन गया? उत्तर—.....
प्रश्न—२ मंगल ने क्या खरीदा? उत्तर—.....
प्रश्न—३ पैसे किसके पास नहीं थे? उत्तर—.....

गतिविधि 9. नीचे दिये गये चित्र पर अभिभावक बच्चों से खूब सारी बातचीत करें। जैसे— चित्र में क्या दिख रहा है, ये दोनों क्या कर रहे होंगे। और फिर उन्हें चित्र पर अपने मन पसंद रंग भरने को कहें।



गतिविधि 10. बच्चों से तुकांत शब्दों को लिखने के लिए कहें और उनकी सहायता भी करेंगे।

चाँद — माँद नाँद
रात —
राँकेट —
घर —

गतिविधि 11. नीचे दिए गये चित्रों को पहचानकर उनका नाम लिखो और चित्रों पर रंग भरें।

